

## वश्व व्यापार संगठन का 12वाँ मंत्रसितरीय सम्मेलन

### प्रलमिस के लयि:

वश्व व्यापार संगठन, वश्व व्यापार संगठन में कृषि से संबधति मुद्दा ।

### मेन्स के लयि:

वश्व व्यापार संगठन के सुधार एवं वकिसशील देशों पर इसके प्रभाव । वश्व व्यापार संगठन के सुधारों पर भारत के सुझाव ।

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में [वश्व व्यापार संगठन \(World Trade Organization-WTO\)](#) का 12वाँ मंत्रसितरीय सम्मेलन संपन्न हुआ ।

- सम्मेलन में चर्चा के प्रमुख क्षेत्रों में [महामारी के प्रतवश्व व्यापार संगठन की प्रतकिरया, मत्स्य पालन सबसडी वार्ताएँ, खाद्य सुरक्षा के लयि सारवजनकि सटॉक होलडगि](#) सहति कृषि मुद्दे, WTO सुधार और [इलेक्ट्रॉनकि ट्रांसमशिन पर सीमा शुलक](#) का स्थगन शामिल हैं ।
- 164 सदस्यीय वश्व व्यापार संगठन द्वारा कोवडि-19 के बाद लगभग पाँच वर्षों में अपने पहले मंत्रसितरीय सम्मेलन का आयोजन कया गया ।

## प्रमुख बडि

### 12वें मंत्रसितरीय सम्मेलन के प्रमुख परणाम:

- WTO के सुधार:**
  - सदस्यों देशों द्वारा वश्व व्यापार संगठन के मूलभूत सदिधांतों की पुष्टि की गई और वचिर-वमिर्श से लेकर बातचीत तक अपने सभी कार्यों में सुधार के लयि एक खुली और समावेशी प्रकरया के प्रता प्रतबिद्धता व्यक्त की ।
  - वश्व व्यापार संगठन के सदस्यों देशों द्वारा वर्ष 2024 तक सभी सदस्यों के लयि एक अच्छी तरह से कार्य कर रहे वविाद नपिटान प्रणाली को सुलभ बनाने की दशिया में कार्य करने को लेकर अपनी प्रतबिद्धता को सुनिश्चित की ।
- प्रतकिल मत्स्य पालन सबसडी को कम करने पर समझौता:**
  - यह समझौता वैश्वकि मछली सटॉक की बेहतर सुरक्षा के लयि अगले चार वर्षों के लयि अवैध, गैर-सूचित और अनयिमति तरीके से मछली पकड़ने पर 'प्रतकिल' सबसडी पर अंकुश लगाएगा ।
  - वर्ष 2001 से ही सदस्य देशों द्वारा अत्यधिक मछली पकड़ने को बढावा देने वाली सबसडी पर प्रतबिध लगाने पर बातचीत की जा रही है ।
  - भारत और अन्य वकिसशील देश इस समझौते में कुछ रयायतें हासिल करने में सफल रहे । उन्होंने प्रस्ताव के एक हसिसे को हटाने के लयि ज़ोरदार ढंग से पैरवी की, जसिसे कुछ सबसडी के कुछ हसिसे पर प्रतकिल प्रभाव पड़ेगा जो कि छोटे पैमाने पर मछली पकड़ने वाले मछुआरों के लयि सहायक होगा तथा पारंपरिक कसिनों को इस समझौते के तहत कसि भी प्रतबिध का सामना नहीं करना पड़ेगा ।
- वैश्वकि खाद्य सुरक्षा पर समझौता:**
  - सदस्यों ने संयुक्त राष्ट्र के वश्व खाद्य कार्यक्रम ([World Food Programme-WFP](#)) द्वारा मानवीय उद्देश्यों के लयि खरीदे गए भोजन को कसि भी नरियात प्रतबिध से छूट देने के बाधयकारी नरिणय पर सहमति व्यक्त की ।
  - वैश्वकि खाद्य कमी और यूकरेन और रूस के बीच युद्ध के कारण बढती कीमतों के आलोक में, समूह के सदस्यों ने वैश्वकि खाद्य सुरक्षा में व्यापार के महत्त्व पर एक घोषणा जारी की और कहा कि वैश्वकि खाद्य नरियात पर प्रतबिध से बचेंगे ।
  - हालाँकि घरेलू खाद्य सुरक्षा ज़रूरतों को सुनिश्चित करने के लयि देशों को खाद्य आपूर्तिको प्रतबिधति करने की अनुमति होगी ।
- ई-कॉमर्स वनिमिय पर समझौता:**
  - वर्ष 2017-2020 से वकिसशील देशों ने केवल 49 डजिटल उत्पादों से आयात पर लगभग 50 बलियन अमेरिकी डॉलर का संभावति टैरफि राजस्व खो दया ।
  - वश्व व्यापार संगठन के सदस्य पहली बार वर्ष 1998 में इलेक्ट्रॉनकि ट्रांसमशिन पर कस्टम ड्यूटी नहीं लगाने पर सहमत हुए, जब इंटरनेट अभी भी अपेक्षाकृत नया था । तब से समय-समय पर स्थगन को बढाया गया है ।
  - हालाँकि सभी सदस्य इसके बाद के मंत्रसितरीय सम्मेलन तक या 31 मार्च 2024 तक जो भी पहले आए, उसके आधार पर ई-कॉमर्स प्रसारण पर कस्टम ड्यूटी पर लंबे समय से रोक जारी रखने पर सहमत हुए ।

#### ■ 'कोवडि-19' वैक्सीन उत्पादन पर समझौता:

- विश्व व्यापार संगठन के सदस्य 5 वर्ष के लिये पेटेंट धारक की सहमति के बिना कोवडि -19 टीकों पर बौद्धिक संपदा पेटेंट को अस्थायी रूप से माफ करने पर सहमत हुए, ताकि वे घरेलू स्तर पर अधिक आसानी से उनका निर्माण कर सकें।
- यह टीका निर्माण क्षमता पर ध्यान केंद्रित करने और विविधता लाने के लिये चल रहे प्रयासों में योगदान देगा ताकि एक क्षेत्र का संकट दूसरों को प्रभावित न कर सके।
- वर्तमान समझौता वर्ष 2020 में भारत और दक्षिण अफ्रीका द्वारा लिए गए मूल प्रस्ताव का एक 'वाटर डाउन' संस्करण है। ये टीके, उपचार और परीक्षणों पर व्यापक बौद्धिक संपदा छूट चाहते थे।
- अग्रणी दवा कंपनियों ने यह तर्क देते हुए इसका कड़ा विरोध किया था कि बौद्धिक संपदा कोवडि के टीकों तक पहुँच को प्रतबंधित नहीं करता है और पेटेंट सुरक्षा को हटाने से शोधकर्ताओं को जीवन बचाने वाले टीके जल्दी से एक नकारात्मक संदेश मिलाता है।
- विश्व व्यापार संगठन द्वारा सहमत छूट की वकालत वाले समूहों द्वारा संकीर्ण होने के कारण आलोचना की गई, क्योंकि इसमें नदिान और उपचार जैसे सभी चिकित्सा उपकरण शामिल नहीं थे। "यह समझौता महामारी के दौरान आवश्यक चिकित्सा उपकरणों तक लोगों की पहुँच बढ़ाने में मदद करने के लिये एक प्रभावी और सार्थक समाधान की पेशकश करने में वफिल रहता है क्योंकि यह सभी आवश्यक कोवडि -19 चिकित्सा उपकरणों पर आईपी को पर्याप्त रूप से माफ नहीं करता है और यह सभी देशों पर लागू नहीं होता है।

## भारत द्वारा उठाए गए मुद्दे:

#### ■ WTO सुधारों पर:

- भारत का मानना है कि विश्व व्यापार संगठन के सुधारों पर चर्चा को अपने मूलभूत सिद्धांतों को मज़बूत करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिये।
- इस समय विशेष और वभिदक उपचार (S&DT) को आरक्षणित करना, जिसमें आम सहमति-आधारित नरिणय लेना, गैर-भेदभाव और विशेष एवं वभिदक उपचार शामिल है, के परिणामस्वरूप वरिस्त में मली असमानताओं के संरक्षण या असंतुलन को बढ़ाना नहीं चाहिये।
- भारत विकासशील देशों हेतु सुधारों का सुझाव देने के लिये पहल करता है (विकासशील देश सुधार पत्र "विकास और समावेश को बढ़ावा देने के लिये विश्व व्यापार संगठन को मज़बूत करना")।
- भारत ने एक प्रस्ताव पेश किया जिसमें उसने प्रक्रिया और उसके लक्ष्यों दोनों पर **यूरोपीय संघ** और ब्राज़ील के सुझावों की आलोचना करने का बीड़ा उठाया। यह विश्व व्यापार संगठन संशोधनों पर एक खुली प्रक्रिया के खिलाफ था।

#### ■ ई-कॉमर्स लेनदेन:

- भारत ने विश्व व्यापार संगठन से ई-कॉमर्स लेनदेन पर सीमा शुल्क स्थगन के वस्तितार की समीक्षा करने के लिये कहा था, जिसमें डिजिटल रूप से कारोबार करने वाली वस्तुएँ और सेवाएँ शामिल हैं।
- इसने तर्क दिया कि विकासशील देशों को इस तरह के स्थगन से वत्तीय परिणामों का खामियाजा भुगतना पड़ा।

#### ■ खाद्य सुरक्षा पर:

- विश्व व्यापार संगठन को विकासशील और गरीब देशों में गरीब नागरिकों को खलाने के उद्देश्य से सरकार समर्थित खाद्य खरीद कार्यक्रमों के लिये सब्सिडी नयियों पर फरि से बातचीत करनी चाहिये।
- भारत आश्वासन चाहता है कि उसका सार्वजनिक स्टॉक-होलडिंग कार्यक्रम, जो विशेष रूप से देश के किसानों से खरीदता है और अतीत में नरियात किया गया है, को विश्व व्यापार संगठन में अवैध के रूप में चुनौती नहीं दी जा सकती है।

## विश्व व्यापार संगठन:

#### ■ परिचय:

- यह वर्ष 1995 में अस्तित्व में आया। विश्व व्यापार संगठन द्वितीय विश्व युद्ध के मद्देनजर स्थापित टैरिफि और व्यापार (GATT) पर सामान्य समझौते का उत्तराधिकारी है।
  - इसका उद्देश्य व्यापार प्रवाह को सुचारू, स्वतंत्र और अनुमानित रूप से मदद करना है।
  - इसके 164 सदस्य हैं, जो विश्व व्यापार का 98% हसिसा है।
- इसे GATT के तहत आयोजित व्यापार वार्ताओं, या दौरों की एक शृंखला के माध्यम से वकिसति किया गया था।
  - GATT बहुपक्षीय व्यापार समझौतों का एक समूह है जिसका उद्देश्य कोटा को समाप्त करना और अनुबंध करने वाले देशों के बीच टैरिफि शुल्क में कमी करना है।
- विश्व व्यापार संगठन के नयिम-समझौते सदस्यों के बीच बातचीत का परिणाम है।
- वर्तमान स्वरूप काफी हद तक वर्ष 1986-94 उरुग्वे दौर की वार्ता का परिणाम है, जिसमें मूल गैट में एक बड़ा संशोधन शामिल था।
- विश्व व्यापार संगठन सचिवालय जनिवा (स्वटिज़रलैंड) में स्थित है।

#### ■ विश्व व्यापार संगठन मंत्रसितरीय सम्मेलन:

- यह विश्व व्यापार संगठन का शीर्ष नरिणय लेने वाला नकियाय है और आमतौर पर हर दो साल में इसकी बैठक होती है।
- विश्व व्यापार संगठन के सभी सदस्य मंत्रसितरीय सम्मेलन में शामिल हैं और वे कसि भी बहुपक्षीय व्यापार समझौते के तहत आने वाले सभी मामलों पर नरिणय ले सकते हैं।

## यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्षों के प्रश्न:

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. भारत ने WTO के व्यापार सुगम बनाने के करार (TFA) का अनुसमर्थन किया है।
2. TFA, WTO के बाली मंत्रसित्रीय पैकेज 2013 का एक भाग है।
3. TFA, जनवरी 2016 में प्रवृत्त हुआ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1 और 3
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर:(a)

व्याख्या:

- वर्ष 2013 बाली मंत्रसित्रीय सम्मेलन में व्यापार सुवधि समझौते (TFA) पर बातचीत की गई थी। **अतः कथन 2 सही है।**
- यह विश्व व्यापार संगठन के दो-तर्हिई सदस्यों द्वारा अनुसमर्थन के बाद 22 फरवरी, 2017 को लागू हुआ। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
- भारत ने 2016 में TFA की पुष्टि की थी। **अतः कथन 1 सही है।**
- TFA में पारगमन में माल सहति माल की आवाजाही, रर्हिई और नकिसी में तेजी लाने के प्रावधान शामिल हैं। यह व्यापार सुवधि और सीमा शुल्क पर सीमा शुल्क व अन्य उपयुक्त अधिकारियों के बीच प्रभावी सहयोग के उपायों को भी नरिधारति करता है
- अनुपालन के मुद्दे: इसमें आगे इस क्षेत्र में तकनीकी सहायता और क्षमता नरिमाण के प्रावधान शामिल हैं।

अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

स्रोत : डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/12th-wto-ministerial-conference>

